Dainik Jagran (08.04.2016)

विद्यार्थियों ने टटोली स्टार्ट-अप में कैरियर की संभावनाएं

◆ वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ कैरियर मेला

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित कैरियर मेले में विद्यार्थियों की स्टार्ट-अप में कैरियर एवं रोजगार के अवसरों को लेकर गहरी रुचि देखने को मिली। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति के लिए भी विद्यार्थी उत्सुक दिखे। विश्वविद्यालय के कैरियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत 'कैरियर विकल्प रुचि के अनुरूप बनाए जाएं अथवा शैक्षणिक योग्यता के आधार पर' विषय को लेकर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने दोनों पहलुओं पर अपने विचार रखे और कैरियर के रूप में स्टार्ट-अप को एक बेहतर विकल्प माना।

करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित करियर मेले के दौरान छात्रों को संबोधित करते कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा। जागरण

इस दौरान कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी खुद को रोजगार के लिए सक्षम बनाने के साथ ही रोजगार देने के लिए भी सक्षम बनें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को पहचानें और नए उद्यम स्थापित करने की दिशा में कार्य करें। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. संदीप ग्रोवर ने उद्योग जगत में पहचान बनाने वाले वाईएमसीए विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कैरियर विकल्प चुनते समय संयम तथा अपनी क्षमताओं पर ध्यान दें।

इस दौरान राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के उप महाप्रबंधक डीके भाटिया ने उद्यमशीलता, स्टार्ट-अप तथा परियोजनाओं को शुरू करने से संबंधित ऋण एवं अन्य औपचारिकताओं तथा आवश्यकताओं के विषय में जानकारी दी। कैरियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ अरविंद गुप्ता ने मेले में लगभग 12 संस्थाओं ने अपने स्टॉल प्रदर्शित किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारत भूषण, डॉ. अश्लेषा तथा मानवी सिवाच ने किया।

Dainik Bhaskar (08.04.2016)

करियर मेला में स्टार्ट-अप छात्रों की पहली पसंद

फरीदाबाद| वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि के करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा छात्रों को पढ़ाई के साथ बेहतर करियर विकल्प चुनने व मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से एक दिवसीय करियर मेले का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों की स्टार्ट-अप में करियर एवं रोजगार के अवसरों को लेकर गहरी रुचि देखने को मिली।

रोजगार के अनुरूप सक्षम बनाने की जरूरतः शिक्षा एवं उद्योग क्षेत्र से आए विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ कुल सचिव डा. संजय कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने छात्रों को 'स्टार्ट-अप' के लिए प्रेरित किया।

पूर्व छात्रों से सीख लेने के लिए किया प्रेरितः फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. ग्रोवर ने उद्योग जगत में पहचान बनाने वाले वाईएमसीए के पूर्व छात्रों का उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा वाईएमसीए संस्थान चार दशक से इंजीनियरिंग के क्षेत्र में योग्य कार्यबल उपलब्ध कराता आ रहा है। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के उपमहाप्रबंधक डीके भाटिया ने उद्यमशीलता, स्टार्ट-अप व परियोजनाओं को शुरू करने से संबंधित ऋण एवं अन्य औपचारिकताओं आवश्यकताओं पर व्याख्यान दिया।

स्टार्ट अप एक बेहतर विकल्पः करियर व शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बनाए जाए, इस विषय पर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। इस पर छात्रों ने अपने विचार रखे। करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डा. अरविंद गुप्ता ने विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। करियर मेले में लगभग 12 संस्थाओं ने अपने स्टॉल प्रदर्शित किए। इनमें एस जर्मनी, करियर एंडेवर, चाणक्य आईएस अकादमी, एनआईआईटी, टाइम्स एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, ब्राइट करियर मेकर्स, एक्सपर्ट एडवाइजर्स, टाइम, राठी क्लासेज, एक्सपर्ट इंग्लोब प्राइवेट लिमिटेड, करियर पंडित आदि शामिल हैं। इन संस्थानों ने छात्रों को विदेशों में उच्चतर शिक्षा, गेट, आईएएस, आईटी व केट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षा, बैंक व अन्य सरकारी नौकरियों की तैयारी संबंधित परामर्श दी। करियर मेले का संचालन डा. भारत भूषण, डा. अश्लेषा व मानवी सिवाच ने किया।

Hindustan Hindi (08.04.2016)

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में करियर मेला आयोजित

कंपनियों की पहली पसंद कंप्यूटर इंजीनियर बने

काउंसलिंग

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

तकनीक के इस युग में कंपनियों की पहली पसंद कंप्यूटर इंजीनियर बन रहे हैं। सॉफ्टवेयर कंपनियां इन्हें मोटे पैकेज पर नियुक्त कर रही हैं। डिमांड के अनुरूप कंप्यूटर इंजीनियर की अक्सर कमी बनी रहती है। इसके बाद सिविल इंजीनियर की मांग है। गुरुवार को इसका खुलासा वाईएमसीए विश्वविद्यालय में करियर मेले में हुआ। इस मौके पर विभिन्न कंपनियों के विशेषज्ञ और करियर परामर्श विशेषज्ञ मौजूद थे, जिन्होंने छात्रों को उनके करियर को लेकर टिप्स दिए और काउंसलिंग कर उनकी जिज्ञासा पूरी की।

दरअसल, औद्योगिक नगरी में वाईएमसीए में मैकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रीकल और कम्यूनिकेशन, कंप्यूटर इंजीनियरिंग सहित छह कोर्स की पढ़ाई होती है। इसमें प्रत्येक वर्ष बी-टेक के करीब 500 नए छात्रों का दाखिला होता है। इनमें सबसे अधिक डिमांड कंप्यूटर इंजीनियरिंग की है। इनमें प्रत्येक वर्ष सिर्फ कंप्यूटर इंजीनियरिंग और आईटी में करीब 120 छात्रों का दाखिला होता है। इसमें से अधिक डिमांड सॉफ्टवेयर इंजीनियर की है। विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर का कहना है कि डिमांड के अनुरूप कंप्यूटर नहीं मिल पा रहे हैं।

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में गुरुवार को करियर मेले में छात्र-छात्राओं को वक्ता निष्ठा ने जानकारी दी। • हिन्दुस्तान

टिप्स दिए

- सॉफ्टवेयर कंपनियां इन्हें मोटे पैकेज पर नियुक्त कर रही हैं
- डिमांड के अनुरूप कंप्यूटर इंजीनियर की अक्सर कमी बनी रहती है

आईईएस भी ऑपशन

इंजीनिरिंग छात्रों को प्रशासनिक सेवा के लिए जागरूक किया। भारतीय इंजीनियरिंग सेवा के लिए परीक्षा होती है। इसमें विद्यार्थियों का चयन होता है। इसके लिए तीन चरणों में परीक्षा होती है। इस दौरान सामान्य ज्ञान, इंजीनियरिंग एप्टीट्यूट टेस्ट, साक्षात्कार सहित 13 सौ नंबर का टेस्ट होता है।

क्या कहते हैं परामर्श विशेषज्ञ

प्रो. अरविंद गुप्ता: वाईएमसीए विश्वविद्यालय करियर काउंसलिंग सेल के हेड- परामर्श मेले के दौरान छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर चुनने के संबंध में जानकारी मिलती है। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ही कई विकल्प हैं। कुछ छात्रों को इस संबंध में जानकारी नहीं होती है। विशेषज्ञों से बात करने के दौरान छात्रों के सामने कई विकल्प सामने आने लगते हैं।

भारत भूषण: काउंसलिंग सेल के सदस्य और सहायक प्रोफेसर- छात्रों को विकल्प का पता होना चाहिए। छात्रों को उनके ऑपशन के संबंध में अधिक जानकारी होनी चाहिए, जिससे वह अपने करियर को चुन सकें। करियर काउंसलिंग को लेकर छात्रों को प्रशिक्षण देना चाहिए।

असलीसा: सहायक प्रोफेसर- छात्रों की काउंसलिंग होना जरूरी है। इससे उन्हें कई नई जानकारियां मिलती हैं। कई बच्चे श्रमिक क्षेत्र से भी होते हैं। कुछ बच्चों में क्षमता अधिक होती है, जबकि कुछ छात्र काफी तनाव में रहते हैं, इसे काउंसलिंग के माध्यम से दूर किया जा सकता है।

14 लाख का पैकेज भी मिला

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष प्लेसमेंट किया जाता है। प्रत्येक वर्ष औसतन 350 छात्रों का विभिन्न कंपनियों में चयन होता है, यहां पढ़ने वाले छात्र करीब 14 लाख रुपये के पैकेज पर भी ज्वाइन कर चुके हैं।

प्रोफेसर मानवी: सहायक- नौकरी के अलावा कई विकल्प हैं। छात्रों को इसकी जानकारी नहीं होती। वे अपने क्षेत्र में रिसर्च भी कर सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकार की योजना पर भी छात्रों की रणनीति निर्भर करती है।

Amar Ujala (08.04.2016)

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में लगे जॉब फेयर में युवाओं की भीड़।

स्टार्ट-अप विद्यार्थियों की पहली पसंद

बल्लभगढ़ (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ कॅरियर विकल्प चुनने तथा उनका मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कॅरियर मेले का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों की स्टार्ट-अप में कॅरियर एवं रोजगार के अवसरों को लेकर खासी रुचि देखने को मिली। कॅरियर मेले का शुभारंभ कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा ने किया तथा उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. ग्रोवर ने कहा कि विद्यार्थी कॅरियर विकल्प चुनते समय संयम तथा अपनी क्षमताओं पर ध्यान दें। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के उप महाप्रबंधक डीके भाटिया ने उद्यमशीलता, स्टार्ट-अप तथा परियोजनाओं को शुरू करने से संबंधित ऋण एवं अन्य औपचारिकताओं तथा आवश्यकताओं पर व्याख्यान दिया तथा मेले में लगभग 12 संस्थाओं ने अपने स्टॉल प्रदर्शित किये। संचालन डा. भारत भूषण, डॉ. अश्लेषा तथा मानवी सिवाच ने किया।

Navbharat Times (08.04.2016)

फास्ट न्यूज

करियर मेला लगा

■ **वस, फरीदाबाद** : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी के करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ की ओर से स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ-साथ बेहतर करियर विकल्प चुनने तथा उनका मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से एक दिवसीय करियर मेले का आयोजन किया गया, जिसमें स्टूडेंट्स की स्टार्टअप में गहरी रूचि देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ रजिस्ट्रार डॉ. संजय कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स खुद को रोजगार के लिए सक्षम बनाएं। अपनी क्षमताओं को पहचानें और नए उद्यम स्थापित करने की दिशा में कार्य करें। फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नॉलजी के डीन प्रो. ग्रोवर ने कहा कि वाईएमसीए पिछले चार दशकों से इंजीनियरिंग के क्षेत्र में योग्य इंजीनियर उपलब्ध करवाता रहा है। इस संस्थान से स्टूडेंट्स ने उद्योग जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है।

Punjab Kesari (08.04.2016)

रोजगार मेले में स्टार्ट अप बना छात्रों की पहली पसंद

फरीदाबाद, (नवीन धमीजा, ब्यूरोचीफ): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ बेहतर करियर विकल्प चुनने तथा उनका मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से एक दिवसीय करियर मेले का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की स्टार्ट-अप में करियर एवं रोजगार के अवसरों को लेकर गहरी रूचि देखने को मिली। इसके अलावा, विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भी गंभीरता दिखायी। इस अवसर पर शिक्षा एवं उद्यम से आये विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का शुभारंभ कुल सचिव डॉ संजय कुमार शर्मा ने किया तथा उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। डॉ शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी खुद को रोजगार के लिए सक्षम बनाये लेकिन साथ ही रोजगार देने के लिए भी खुद को सक्षम बनाये। विद्यार्थियों को 'स्टार्ट-अप' के लिए प्रेरित करते हुए कुल सचिव ने कहा कि विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को पहचाने और नये उद्यम स्थापित करने की दिशा में कार्य करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के उप महाप्रबंधक डी. के. भाटिया ने उद्यमशीलता, स्टार्ट-अप तथा परियोजनाओं को शुरू करने से संबंधित ऋण एवं अन्य औपचारिकताओं तथा आवश्यकताओं पर व्याख्यान दिया तथा विद्यार्थियों को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत 'करियर विकल्प रूचि के अनुरूप बनाये जाये अथवा शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बनाये जाये' विषय को लेकर परिचर्चा का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने दोनों पहलुओं पर अपने विचार रखे और करियर के रूप में स्टार्ट-अप को एक बेहतर विकल्प माना। करियर एवं परामर्श प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ अरविंद गुप्ता ने बताया कि करियर मेले में लगभग 12 संस्थाओं ने अपने स्टॉल प्रदर्शित किये।